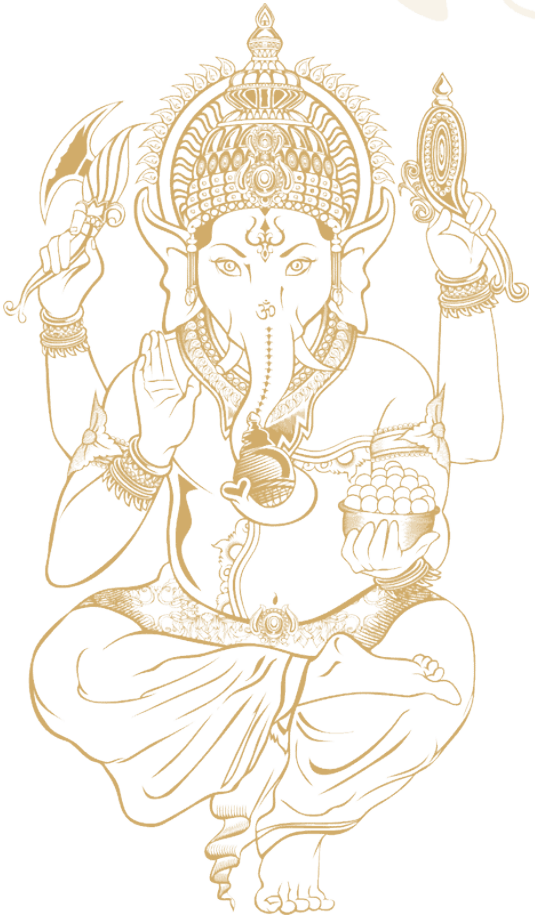

Mayur Patidar

18 Feb 2011

08:28 AM

Banswara

Model: web-freekundliweb

Order No: 121346803

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**18/02/2011**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**08:28:00 घंटे**
इष्ट	03:31:19 घटी
स्थान	**Banswara**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	23:32:00 उत्तर
रेखांश	74:28:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:32:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	07:55:52 घंटे
वेलान्तर	-00:13:59 घंटे
साम्पातिक काल	17:46:48 घंटे
सूर्योदय	07:03:28 घंटे
सूर्यास्त	18:29:01 घंटे
दिनमान	11:25:33 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	05:04:51 कुम्भ
लग्न के अंश	01:33:18 मीन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मीन - गुरु
राशि-स्वामी	**सिंह - सूर्य**
नक्षत्र-चरण	**मघा - 1**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	अतिगण्ड
करण	बव
गण	राक्षस
योनि	मूषक
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	वनचर
वर्ग	मूषक
युँजा	मध्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	मा-माणिक
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मीन	01:33:18	484:22:05	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	---
सूर्य			कुंभ	05:04:51	01:00:31	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	सूर्य	शत्रु राशि
चंद्र			सिंह	01:46:19	15:05:47	मघा	1	10	सूर्य	केतु	शुक्र	मित्र राशि
मंगल		अ	कुंभ	02:05:41	00:47:23	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	केतु	सम राशि
बुध		अ	मक	29:20:14	01:44:42	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	शनि	सम राशि
गुरु			मीन	11:18:07	00:13:07	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	चंद्र	स्वराशि
शुक्र			धनु	21:55:45	01:09:47	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	शनि	सम राशि
शनि	व		कन्या	22:45:02	00:02:21	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	सूर्य	मित्र राशि
राहु	व		धनु	07:04:40	00:08:35	मूल	3	19	गुरु	केतु	राहु	नीच राशि
केतु	व		मिथु	07:04:40	00:08:35	आर्द्रा	1	6	बुध	राहु	राहु	नीच राशि
हर्ष			मीन	04:47:20	00:03:05	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	---
नेप			कुंभ	04:23:29	00:02:17	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	शुक्र	---
प्लूटो			धनु	12:50:37	00:01:29	मूल	4	19	गुरु	केतु	बुध	---
दशम भाव			धनु	02:57:26	--	मूल	--	19	गुरु	केतु	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:01:04

लग्न-चलित

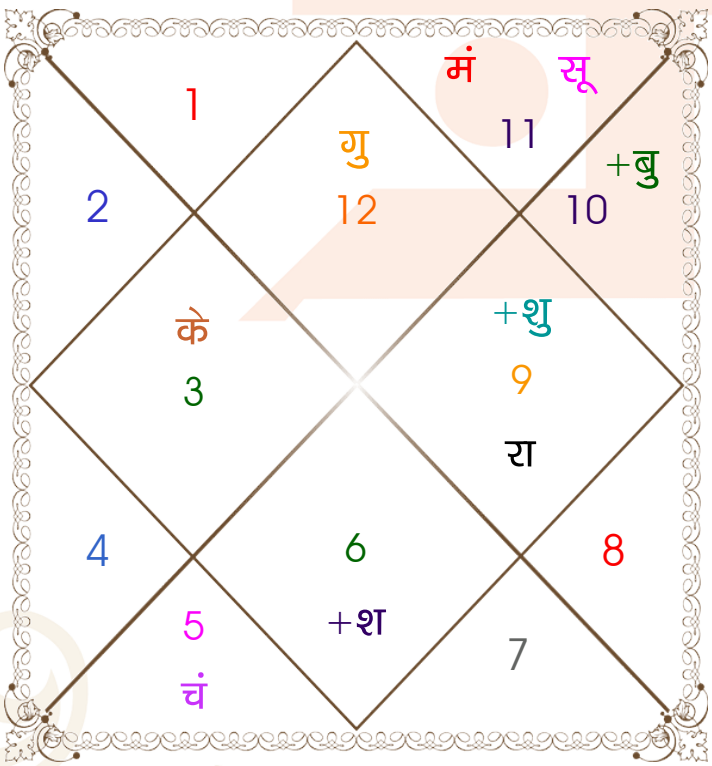

चन्द्र कुंडली

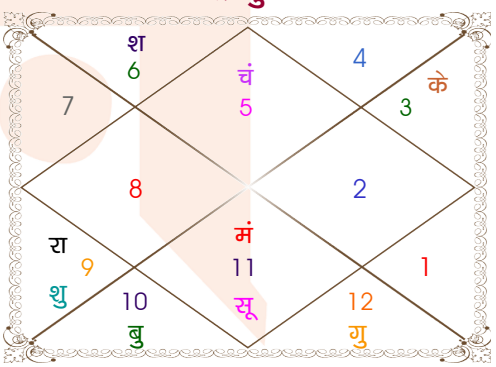

नवमांश कुंडली

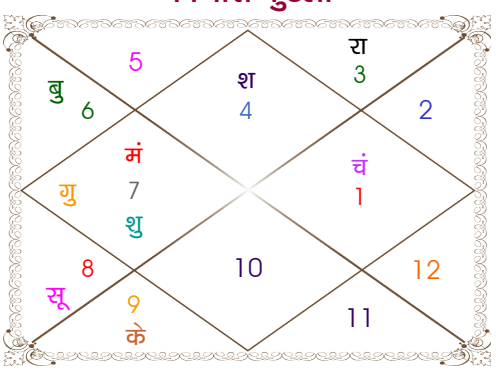

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 6 वर्ष 0 मास 25 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
18/02/2011		15/03/2017		15/03/2037		15/03/2043		15/03/2053	
15/03/2017		15/03/2037		15/03/2043		15/03/2053		15/03/2060	
	18/02/2011	शुक्र	14/07/2020	सूर्य	02/07/2037	चंद्र	14/01/2044	मंगल	11/08/2053
शुक्र	11/10/2011	सूर्य	15/07/2021	चंद्र	01/01/2038	मंगल	14/08/2044	राहु	29/08/2054
सूर्य	16/02/2012	चंद्र	15/03/2023	मंगल	09/05/2038	राहु	13/02/2046	गुरु	05/08/2055
चंद्र	16/09/2012	मंगल	14/05/2024	राहु	03/04/2039	गुरु	15/06/2047	शनि	13/09/2056
मंगल	12/02/2013	राहु	15/05/2027	गुरु	20/01/2040	शनि	13/01/2049	बुध	10/09/2057
राहु	03/03/2014	गुरु	13/01/2030	शनि	01/01/2041	बुध	14/06/2050	केतु	07/02/2058
गुरु	07/02/2015	शनि	15/03/2033	बुध	07/11/2041	केतु	13/01/2051	शुक्र	09/04/2059
शनि	18/03/2016	बुध	14/01/2036	केतु	15/03/2042	शुक्र	13/09/2052	सूर्य	15/08/2059
बुध	15/03/2017	केतु	15/03/2037	शुक्र	15/03/2043	सूर्य	15/03/2053	चंद्र	15/03/2060

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
15/03/2060		15/03/2078		15/03/2094		16/03/2113		16/03/2130	
15/03/2078		15/03/2094		16/03/2113		16/03/2130		00/00/0000	
राहु	26/11/2062	गुरु	02/05/2080	शनि	18/03/2097	बुध	12/08/2115	केतु	12/08/2130
गुरु	20/04/2065	शनि	14/11/2082	बुध	26/11/2099	केतु	09/08/2116	शुक्र	19/02/2131
शनि	25/02/2068	बुध	18/02/2085	केतु	05/01/2101	शुक्र	10/06/2119		00/00/0000
बुध	14/09/2070	केतु	25/01/2086	शुक्र	06/03/2104	सूर्य	15/04/2120		00/00/0000
केतु	02/10/2071	शुक्र	25/09/2088	सूर्य	16/02/2105	चंद्र	14/09/2121		00/00/0000
शुक्र	02/10/2074	सूर्य	15/07/2089	चंद्र	18/09/2106	मंगल	12/09/2122		00/00/0000
सूर्य	27/08/2075	चंद्र	14/11/2090	मंगल	28/10/2107	राहु	31/03/2125		00/00/0000
चंद्र	25/02/2077	मंगल	20/10/2091	राहु	03/09/2110	गुरु	07/07/2127		00/00/0000
मंगल	15/03/2078	राहु	15/03/2094	गुरु	16/03/2113	शनि	16/03/2130		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 6 वर्ष 0 मा 24 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वा भाद्रपद नक्षत्र के चतुर्थ चरण में मीन लग्न में हुआ था। उस समय मेदिनीय क्षितिज पर कर्क राशि का नवमांश एवं मीन राशीय द्रेष्काण भी उदित हुआ था। इसके द्वारा यह स्पष्ट हो रहा है कि आप भावुक एवं स्वेच्छाचारी प्रवृति के प्राणी हैं। आपका जन्मफल ऐसा सूचित कर रहा है कि आपका जीवन अत्यंत आनंद पूर्वक अपनी प्रेमिका एवं सुरा से युक्त जीवन यापन करेंगे। अर्थात् आपको सुरा और सुंदरी से लगाव रहेगा।

आप प्रेम लीला को प्रथम सर्वोच्च स्थान देते हैं। आप सुंदर, मनोहर, प्रतिभाशाली एवं बुद्धिमती स्त्री को पसंद करते हैं। आपके जीवन का उद्देश्य एवं मुख्य अभिरूचि प्रेम-संबंध स्थापित करना है। इसके पश्चात अति धनी बनने के प्रति अभिरूचि रखेंगे। आप अपने जीवन संगिनी के चयन हेतु कन्या एवं कर्क राशि या जन्म लग्न के जातकों में से किसी का भी चयन करना चाहिए।

आपका संबंध आपको बिस्तर पर लेटने वाली संगिनी के साथ रहेगा। इसके पश्चात् आप अन्यों के साथ भी मिलते जुलते अर्थात् सम्मिलित रहेंगे। आप दोनों पक्ष के लिए सशंकित रहोगे। यदि आप इर्ष्यायुक्त होकर अपने विचार से किसी को निर्वासित कर दिए तो आप बहुत आनंदपूर्वक घरेलू जीवन व्यतीत कर सकेंगे तथा अच्छी प्रकार प्रिय संतान से युक्त हो जाओगे।

आपका अन्य पक्ष यह है कि आप सतर्कता पूर्वक अपने मित्रों का चयन करने में अग्रसर होंगे। इसके पश्चात आप वहिर्गामी हो कर विश्वसनीयता एवं तत्परता से युक्त होंगे। इसके पश्चात आप मन ही मन यह अनुभव करोगे कि वे लोग आपकी कार्य-योजना में आपके साथ कोई धोखा धड़ी किए है। इस प्रकार की संभावित घटनाओं के पूर्व मित्रमंडली का उत्कर्षण आवश्यक है। उत्कर्षित मित्र बनाना भी नितांत आवश्यक है।

आप बुद्धिमत्ता पूर्वक धन उपार्जन कर, धन प्रदान करेंगे। आप धन का संचय कर व्यवसाय कर सकते हों। आप अपने लिए सुगमता पूर्वक धन प्राप्त करने के सुगम पथ का परित्याग कर कठिन श्रम से अपने कर्म उद्देश्य के प्रति समर्पण की भावना से युक्त होंगे। अब के बाद निश्चित रूप में मद्यपान के प्रति अपनी आशक्ति रोगादि को आमंत्रित करेंगे। जैसे गैस्टिक दिक्कते, क्षय रोगादि। हृदय संबंधी दिक्कतों से सदैव आक्रांत रहेंगे। आप अपने उत्तम स्वास्थ्य हेतु निश्चित रूप से मद्यपान का परित्याग करें। इस प्रवृति को स्वीकार करने से आपकी आलोचना होगी। अतएव मद्यपायी प्रवृति को त्याग दें।

आपके मीन राशि वाले द्वि स्वाभात्मक प्राणी होते है। आप अन्यों के विचार से एक पहेली है जैसा कि अपने लिए भी हैं। कई बार अन्य लोग आपके बारे में समझ नहीं पाते है। वे लोग आपके लक्ष्य के संबंध में नहीं समझ पाते हैं। आपकी विभिन्न अवस्थाओं का मूल्यांकन करना उनके लिए सरल नहीं है। आप सदैव कल्पना लोक में विचरण करते हो। इस प्रकार की बातों का सत्यता से कोई संबंध नहीं है। यह आपकी समस्याओं को स्वीकार करता है। अतएव आप अपने लक्ष्य की प्राप्ति के लिए एकदम आश्वस्त नहीं है। आप इस प्रकार अनिश्चितता एवं हतोत्साहित हो सकते हैं। फलस्वरूप आप पीछे रह जाओगे तथा आपका विश्वास दूसरों के द्वारा

सामंजस्य पूर्ण बन जाएगा तथा प्रतिज्ञा करना पड़ेगा। इस प्रकार आप अपनी अभिलाषा के अनुरूप सुव्यवस्थित हो कर निश्चित रूप से आरामदायक जीवन व्यतीत कर सकेंगे।

मीन राशीय प्रभाव के पीछे केंद्रीय बिंदु यह है कि आप गुह्य विद्या, रहस्यात्मक, व्यापार संघ, ध्यान साधना एवं मनोवैज्ञानिक के रूप में व्यवसाय अपना सकते हैं। मीन राशीय प्रभाव से आप धार्मिक कार्य के पीछे समर्पित रहेंगे तथा धर्म नेता के रूप में उत्सुक हो कर माननीय बंधन से मुक्त हो सकते हैं। आपका अंतिम लक्ष्य आपकी कल्पना शक्ति के अनुसार मोक्ष प्राप्त करना अथवा उद्धार हो कर यथार्थ रूप से सामरिक अस्तित्व को पुनः प्राप्त नहीं करें। अर्थात् पुर्नजन्म न हो ऐसा है।

आप अपनी बुद्धि के अनुसार चाहे जो भी उसी कार्य के प्रति पीछे पड़ जाते हैं तथा कठिन श्रम करेंगे तथा संबंधित लाभांश भी प्राप्त करेंगे। आपके लिए काल्पनिक अर्थात् आदर्श कार्य व्यवसाय, प्रशासनिक पदाधिकारी अथवा सरकारी विभाग उपयुक्त है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में रविवार, गुरुवार, मंगलवार का दिन उच्चस्तरीय अनुकूलता से युक्त है। परंतु इसके अतिरिक्त बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन सर्वथा प्रतिकूल है।

आपके लिए अनुकूल अंक 1, 3, 4 एवं 9 अंक भाग्यशाली हैं। परंतु 8 अंक सर्वथा प्रतिकूल हैं।

आपके लिए लाल, गुलाबी, नारंगी एवं पीला रंग सुखद एवं लाभदायक है, परंतु रंग हरा, क्रीम एवं सफेद रंग आपके जीवन साथी के लिए अनुकूल है। आप नीले रंग का व्यवहार न करें।